सांध्य दैनिक 4PM

आप जो करने से डरते हैं उसे करिए और करते रहिये। अपने डर पर विजय पाने का यही सबसे पक्का और तेज तरीका है जो आज तक खोजा गया है।
-डेल कार्नेगी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 161 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 18 जुलाई, 2023

यूपी में बढ़ रहा तापमान, उमस... 7 | सत्ता की भूख से मिटा भाजपा का... 3 | भाजपा सरकार में हो रही जमकर... 2

शालीमार की अवैध कारगुजारियों का काला चिट्ठा प्रधानमंत्री तक पहुंचा

मामले को लोकायुक्त और हाईकोर्ट ले जाने की तैयारी

» भाजपा नेता ने पीएम मोदी को भेजा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के पूर्व सांसद संजय सेठ और शालीमार समूह के काले कारनामों की कहानी अब प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंच गई है। उधर शालीमार के अवैध निर्माण को ना तोड़े जाने पर पूर्व आईजी और अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने शालीमार के सामने प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। वहीं एलडीए इस पूरे मामले को रफा दफा करने में जुटा है। इस मामले की शिकायत अब लोकायुक्त से करने के साथ हाईकोर्ट में भी याचिका दायर करने की तैयारी की जा रही है।

इस संबंध में भाजपा के अयोध्या मीडिया प्रभारी रजनीश ने प्रधानमंत्री को शालीमार समूह की सारी कारगुजारियों के संबंध में शिकायती पत्र भेजा है। उन्होंने कहा है कि शालीमार समूह ने करोड़ों रुपये की सरकारी संपत्तियों पर कब्जा कर रखा है। शालीमार एस्मार ने अवैध रूप से करोड़ों रुपये के पेंटहाउस बना डाले और एलडीए के अफसरों को करोड़ों की घूस दे दी जिससे वो इन पेंटहाउस को ना तोड़ें। इतना ही नहीं मामले को रफादफा करने के लिए एलडीए के विहित अधिकारी के यहां एक मुकदमा दायर करवा दिया जिससे मामला लटका रहे है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि संजय सेठ द्वारा लखनऊ के कैंट इलाके में अवैध रूप से करोड़ों की एक कोठी पर भी कब्जा किया गया है।

सांध्य दैनिक 4PM

विपक्ष ने कहा, गरीबों के घर पर बुलडोजर चलाने वाले को क्यों नहीं दिखता शालीमार का अवैध अतिक्रमण, तोड़े इसे भी सरकार

2009 में दी गई थी स्वीकृति

शालीमार एमराल्ड में बने है अवैध रूप से करोड़ों के पेंट हाउस

मामले को रफा-दफा करने की कोशिश

सांध्य दैनिक 4PM

भाजपा के पूर्व सांसद संजय सेठ की अवैध बिल्डिंग को तोड़ने में हाथ क्यों कांप रहे हैं अफसरों के

कैंट में भी एक विवादित कोठी पर अमित शाह को ले गये थे संजय सेठ

4PM एक्सक्लूसिव

4PM कर चुका है खुलासा

उल्लेखनीय है 4PM ने सबसे पहले इस मामले का खुलासा किया था। यह भी बताया था कि एक अवर अभियंता ने शालीमार को नोटिस दिया तो संजय सेठ ने अशोक की लाट लगे अपने राज्यसभा के लैटर पैड पर लिखकर कहा था कि इस बिल्डिंग से उनका मतलब नहीं है, जबकि हकीकत ये है कि इस बिल्डिंग का निर्माण उनकी कंपनी ने ही कराया था।

> शालीमार एस्मार ने अवैध रूप से करोड़ों रुपये के पेंटहाउस बना डाले। ऐसी चर्चा है कि एलडीए के अफसरों को करोड़ों की घूस दी गई जिससे वो इनको ना तोड़ें।

भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश
BHARTIYA JANTA PARTY, UTTAR PRADESH
डा० रजनीश सिंह
अयोध्या

15-07-2023

सेवा में
माननीय प्रधानमंत्री जी
लोक कल्याण मार्ग, नई दिल्ली
भारत सरकार

विषय :- पूर्व राज्यसभा सांसद संजय सेठ के अनैतिक कृत्यों की जांच कराए जाने के संदर्भ में

महोदय

सादर अवगत कराना है कि पूर्व राज्यसभा सांसद संजय सेठ जो कि समाजवादी पार्टी के निवर्तमान कोषाध्यक्ष थे उन्होंने प्रदेश में सरकार आने के बाद भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ले ली लेकिन उनके जो काले कारनामे जो थे उस पर रोक आज तक नहीं लग पाई है, महोदय उनके द्वारा लखनऊ के अंदर कई जगहों पर अवैध तरीके से जमीनों पर कब्जे किए गए हैं, शालीमार ग्रुप के द्वारा जगह-जगह पर अवैध इमारतें खड़ी की गई हैं, लखनऊ के अंदर इनके द्वारा बनाए गए अवैध पेंटहाउस इनके कुकृत्यों का जीता जागता सबूत है यही नहीं इनके एक बिजनेस पार्टनर की कंपनी में एक आतंकी भी पकड़ा गया था जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत ही चिंताजनक है। मैं पूर्व में भी आपको पत्र के द्वारा सूचित कर चुका हूं कि श्रीमान संजय सेठ और उनके बिजनेस पार्टनर देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं उनकी एटीएस आईबी या अपने स्तर से गोपनीय जांच करा कर उनके ऊपर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करें आप की महान कृपा होगी

सदैव आपका

rajneeshsingh7171@gmail.com

सेठ के पेंट हाउस को तोड़ने के आदेश दिये जाएं : रजनीश

बीजेपी के मीडिया प्रभारी रजनीश ने अपने खत में लिखा है कि संजय सेठ पहले सपा के कोषाध्यक्ष थे भाजपा सरकार आने के बाद उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली, मगर अपने काले कारनामे बंद नहीं किया। उन्होंने लिखा कि सेठ के अवैध पेंट हाउस को तोड़ने के आदेश दिये जाए, साथ ही उनके पार्टनर के यहां एक आतंकी भी पकड़ा गया था जिसकी जांच आईबी से कराई जाएं।

अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर करेंगे प्रदर्शन

पूर्व आईजी और अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने शालीमार के अवैध कब्जे नहीं तोड़े गये तो वे प्रदर्शन करेंगे। शालीमार ने पेंट हाउस के नाम पर जगह-जगह अवैध कब्जे कर रखे हैं। उसकी इस अंधेरगर्दी के खिलाफ उनकी पार्टी जोरदार विरोध करेगी।

फोन नहीं उठा रहे एलडीए अधिकारी

मजे की बात ये है कि एलडीए पर इस अवैध निर्माण को तोड़ने की जिम्मेदारी थी मगर 4PM में खबर छपने के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण के अफसर फोन ही नहीं उठा रहे हैं। जबकि किसी गरीब का छोटा सा आशियाना अवैध पाए जाने पर बुलडोजर चला देने वाले अफसर शालीमार के आगे भीगी बिल्ली बन रहते हैं।

भाजपा सरकार में हो रही जमकर कालाबाजारी : अखिलेश

सपा प्रमुख बोले- कर्नाटक से नया अध्याय लिखेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई का अमृतकाल चल रहा है। पेट्रोलियम पदार्थों पर मिलने वाली सब्सिडी लगभग खत्म कर दी गई है। लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता कराह रही है। भाजपा सरकार में जमकर कालाबाजारी हो रही है। भाजपा की गलत नीतियों से बढ़ रही महंगाई, बेरोजगारी, अन्याय और अत्याचार से आम जनता में निराशा है।

सपा प्रमुख अखिलेश ने ट्वीट करके कहा कि कर्नाटक आना हमेशा अच्छा लगता है, क्योंकि अपनी जिंदगी के कई अध्याय यहां पढ़े हैं। अब यहां से देश का एक और अध्याय लिखेंगे। समाजवादी इतिहास यहां से जुड़ा है, अब भविष्य भी जुड़ेगा। वहीं बतातें कि वर्ष 2019 का लोकसभा चुनाव सपा, बसपा और रालोद ने मिलकर लड़ा था। तब सपा ने अपने घोषणापत्र में कहा था कि देश के 10 फीसदी सामान्य वर्ग के समृद्ध लोग 60 फीसदी राष्ट्रीय संपत्ति पर काबिज हैं। लेकिन, चुनाव में महागठबंधन को आशा के अनुरूप सफलता नहीं मिली। इसलिए इस बार सपा का पीडीए पर फोकस तो है, पर सामान्य जातियों को साथ लेते हुए आगे बढ़ने की योजना है।

अगड़ी जातियों को भी जोड़ेगी सपा

समाजवादी पार्टी अगड़ी जातियों को भी पार्टी से ज्यादा से ज्यादा जोड़ने का अभियान चलाएगी। सूत्रों से जानकारी मिल रही है शीर्ष नेतृत्व ने यह फैसला लिया है। पिछड़ों, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) सरकार का नारा बुलंद करने वाली सपा अगड़ों को भी जोड़ने की मुहिम शुरू करने जा रही है। समाजवादियों की रणनीति है कि पीडीए को उनके अधिकार दिलाएंगे, पर किसी का भी साथ लेने से कोई परहेज नहीं है। यही वजह है कि क्षत्रिय, ब्राह्मण, वैश्य और कायस्थ समाज के बीच पैठ बढ़ाने की योजना पर भी पार्टी काम कर रही है। पहले चरण में जगह-जगह क्षत्रिय सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा।

सपा नेतृत्व के साथ अनौपचारिक बातचीत में कुछ क्षत्रिय नेताओं ने पार्टी के साथ जुड़कर काम करने की इच्छा जताई थी तो अब सपा ने भी इस दिशा में आगे बढ़ना शुरू कर दिया है। क्षत्रिय समाज को जोड़ने की जिम्मेदारी समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह को दी गई है। 23 जुलाई को लखनऊ के इटौंजा में क्षत्रिय समाज का सम्मेलन होगा। इस तरह के सम्मेलन अवध, पूर्वांचल और पश्चिमी यूपी के अलग-अलग हिस्सों में होंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जीएसटी को ईडी के दायरे में लाने के मुद्दे पर सपा ने वैश्य समाज को एकजुट करने की जिम्मेदारी व्यापार सभा के प्रदीप जायसवाल को दी है। शीघ्र ही व्यापार सभा के जिलेवार भी सम्मेलन आयोजित होंगे। इसी तरह के प्रयास ब्राह्मण और कायस्थ समाज के बीच भी शुरू किए जा रहे हैं।

यूपी में एनडीए को हराएंगे

इसमें समाजवादी नेताओं ने कहा कि उनका एक ही एजेंडा है कि यूपी में एनडीए को कैसे हराया जाए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहयोगी दलों और अपनी पार्टी के दिग्गज नेताओं के साथ विपक्षी गठबंधन की बैठक में भाग लेने बंगलुरु पहुंचे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की धरती से नया इतिहास लिखेंगे। राज्यसभा सांसद प्रो. रामगोपाल व जावेद अली खान, पूर्व मंत्री रामअचल राजभर, लालजी वर्मा व राजेंद्र चौधरी और अपना दल कमेरावादी की अध्यक्ष कृष्णा पटेल भी इस विपक्षी मंथन में शामिल हैं। उधर, रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने भी अपने और राजद नेता तेजस्वी यादव व अखिलेश यादव को मिले बैठक के कार्ड को साझा करते हुए कहा कि हम साथ-साथ हैं।

एससी में तलब किये गये दिल्ली के एलजी

» 437 सलाहकारों को हटाने के फैसले पर हुई सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार की ओर से नियुक्त 437 सलाहकारों को हटाने के अपने फैसले का सुप्रीम कोर्ट में बचाव किया है। उपराज्यपाल ने एक हलफनामे में शीर्ष कोर्ट से कहा, ये नियुक्तियां आरक्षण की सांविधानिक सिद्धांतों और प्रशासनिक कानूनों का खुला उल्लंघन और अवैध थीं।

हलफनामे में कहा गया है कि इन नियुक्तियों का मकसद बिना किसी जवाबदेही के दिल्ली में समानांतर प्रशासनिक सेवा चलाना था। इनमें से कई नियुक्तियां राजनीतिक झुकाव के कारण की गई थीं। एलजी ने हलफनामे में कहा, इन 437 सलाहकार, फेलो या शोधकर्ताओं की नियुक्ति अवैध थी और इस बारे में लिए गए फैसले के खिलाफ कोई भी अपील दिल्ली हाईकोर्ट में की जानी चाहिए थी न कि सीधे सुप्रीम कोर्ट में। वह भी सिर्फ इस बिना पर कि सेवाओं से संबंधित अध्यादेश का मामला सुप्रीम कोर्ट में सुना जा रहा है। इस तरह की अपील को इस कोर्ट में अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

विघटन का काम कर रहे एलजी

» महबूबा ने सरकारी कर्मियों की बर्खास्तगी पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम व पीडीपी नेता महबूबा बोलीं ने एलजी द्वारा सरकारी कर्मचारियों के बर्खास्तगी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा ऐसे समय में जब राज्य बेरोजगारी से जूझ रहा है, आतंकवादी संबंधों के बेतुके कारणों पर आजीविका का अपराधीकरण केवल विश्वास की कमी को गहरा कर रहा है। यह संविधान के अनुच्छेद 311 (2) बी का दुरुपयोग करके किया जा रहा है। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने घटनाक्रम पर कहा कि एलजी प्रशासन प्रदेश में विघटन की स्थायी स्थिति को संस्थागत बना रहा है।

गौरतलब हो कि आतंकी कनेक्शन में जम्मू-कश्मीर यूटी प्रशासन ने कश्मीर विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी समेत तीन लोगों को बर्खास्त कर दिया है। बर्खास्त होने वालों में जनसंपर्क अधिकारी फहीम असलम, राजस्व विभाग के अधिकारी मुरावाथ हुसैन मीर और पुलिस में सिपाही अर्शिद अहमद ठोकर शामिल हैं।

भाजपा के कार्यों का करें पर्दाफाश : खाबरी

» सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन शुरू करेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर हर जिले में धरना- प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों में आई बाढ़ में जनता का सहयोग करने की अपील की। यह भी कहा कि मथुरा- वृन्दावन और पूर्वांचल में बाढ़ से परेशान लोगों की मदद के लिए कांग्रेस के पदाधिकारी सक्रिय भूमिका निभाएं। भाजपा के रवैए का पर्दाफाश करें।

इस दौरान सभी ने एक स्वर से लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटों पर जीत सुनिश्चित कराने का संकल्प लिया।

बैठक में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री, प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, नकुल दुबे, अनिल यादव, हरीश बाजपेई, अनिल अमिताभ दुबे, श्याम किशोर शुक्ला, अमरनाथ अग्रवाल, सीमा चौधरी आदि ने संबोधित किया। बैठक का संचालन पूर्व संगठन सचिव विजय बहादुर ने किया।

सूबे की 21 सीटों पर है खास नजर

कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन 2009 में जीती गई 21 सीटों पर पुख्ता रणनीति बनाकर तैयारी तेज करेगी। इसमें 12 सीटें मध्य उत्तर प्रदेश की हैं। यह प्रदेश कार्यालय में हुई पार्टी के पूर्व पदाधिकारियों, जिला एवं शहर अध्यक्षों की बैठक में लिया गया। विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों ने सियासी समीकरण के बारे में जानकारी दी। बूथ कमेटी से लेकर जातीय समीकरण पर भी चर्चा हुई। पार्टी नेताओं ने कहा कि प्रदेश की 80 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी रखनी होगी। इसमें 2009 में जीती गई 21 सीटों पर विशेष रूप से चर्चा हुई। पहले चरण में पार्टी के वरिष्ठ नेता इन सभी सीटों पर फोकस करेंगे। इन 21 सीटों पर अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में फ्रंटल संगठन अलग- अलग कार्यक्रम करेंगे। जातीय गणित का ध्यान रखते हुए जहां जिस जाति की आबादी अधिक होगी, वहां उनसे जुड़े जातीय सम्मेलन होंगे।

नर्मदा में क्रूज चलाना कुविचार : उमा

» बोलीं-इस सोच को जड़ से उखाड़ फेकेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भाजपा की नेता व मध्यप्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती ने अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। दरअसल, केंद्र सरकार मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी में क्रूज चलाने की तैयारी कर रही है। इसका पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने विरोध करते हुए कहा कि इस सोच को ही हम जड़ से उखाड़ फेंकेगे। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने सोमवार को ट्वीट किए कि गंगा जी की तरह नर्मदा जी में भी पर्यटकों के मनोरंजन के लिए क्रूज चलाने पर विचार हो रहा है। गंगाजी में सनातन काल से ही यातायात होता रहा हैं, किंतु नर्मदा मैया एक मात्र धारा है।

यहां केवल सतोगुण पर्यटन संभव

जिनकी परिक्रमा होती है क्योंकि नर्मदा जी साक्षात शिव है, जो कि धारा के रूप में बहते हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि नर्मदा जी में सिंचाई, गौपालन तथा परिक्रमा का सतोगुण पर्यटन संभव है। क्रूज चलाने की सोच को तो जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। क्योंकि नर्मदा जी सतोगुणी तरीके से भी बहुत रोजगार देती रही है तथा देती रहेंगी। आधा तो अवैध खनन ने ही नर्मदा जी को निगल लिया अब और रही सही कसर क्या क्रूज से भी पूर कर देंगे। यह विचार हमारा हो ही नहीं सकता। अगर यह कुविचार कुछ अधिकारियों के दिमाग में आया है तो इस सोच को ही हम जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। आपको याद होगा कि दिग्विजय सिंह जी की सरकार के समय पर खजुराहो में भी हमने कैसीनों शुरू ही नहीं होने दिए थे।

शिवराज के दौरे से पहले कांग्रेसियों को किया नजरबंद

राजगढ़। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शाजापुर जिले के बाद राजगढ़ जिले के दौरे पर रहे, जहां उन्होंने रोड शो किया। मुख्यमंत्री के रोड शो से पहले ही ब्यावरा की सड़कों पर मुख्यमंत्री का विरोध कर रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने पकड़ा और अपने वाहन में बैठाकर नजरबंद कर दिया। राजगढ़ जिले के ब्यावरा में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 33 करोड़ 78 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन भी किया। इन कार्यों में विभिन्न मार्गों और 100 सीटर बालक छात्रावास का निर्माण शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे किसान परिवार में पैदा हुए है और वे मुख्यमंत्री नहीं बहनों के भाई, बच्चों के मामा और किसानों के भाई हैं। उनका एक ही मकसद है जनता की जिंदगी बदलकर खुशहाल बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आपके लिए जमाना बदल दूंगा।

सत्ता की भूख से मिटा भाजपा का रसूख!

सबका विकास करते-करते-अपने विकास में लगी

» पार्टी विद डिफरेंस से बीजेपी अलग हुई

» चाल, चरित्र व अनुशासन सब ताक पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अपने को सबसे अलग कहने वाली पार्टी भारतीय जनता पार्टी अपने मूल चरित्र से हटती जा रही है। कभी इसके शीर्ष नेता व पूर्व पीएम अटल बिहारी बाजपेई कहा करते थे उस सरकार को वह चिमटे से भी नहीं छुएंगे जो किसी अन्य दल को तोड़कर कर बनाई गई हो। पर आज की भाजपा वैसी नहीं रह गई है। आज पार्टी विद डिफरेंस का राग अलापने वाली बीजेपी सबका साथ सबका विकास का दावा करते-करते अपने विकास में लग गई हैं। तभी तो जिनको वह भ्रष्टाचारी बताती थी उन्हीं को अपने यहां बुलाकर उनके साथ 2024 लोक सभा चुनाव की वैतरणी पार करने के लिए रणनीति बनाने में लग गई है।

भ्रष्टाचारी तो ठीक है पर जिस यूपी के सहारे वह लोक सभा चुनाव में जीत का सपना देख रही है वहां पर जिस माफिया मुख्तार अंसारी को मिट्टी में मिलाने का संकल्प सीएम योगी ने किया है उसके पुत्र अब्बास अंसारी को सिंबल देकर चुनाव लड़ाने वाले सुभासपा के ओमप्रकाश राजभर को अपने पाले में कर लिया है। क्या उत्तर, क्या दक्षिण पूरे भारत में भाजपा उन लोगों को अपने साथ जोड़ने के अभियान में जुट गई जिनको वह गाली देती थी। खैर सियासत में कोई अछूत नहीं होता जो लाभ देने की स्थिति में होता है उसको अपनी ओर जोड़ने की कोशिश सभी दल करते हैं, पर सवाल यहां पर तो उठेंगे ही कि आखिर सबसे अलग दिखने का दावा करने वाली पार्टी ऐसा क्यों कर रही है। अगर केवल सत्ता पाने के लिए वह ऐसा कर रही तो इसका मतलब वह अपने वोटरों के साथ भी छल कर रही है।

दूसरे दलों से आए नेताओं का बोलबाला

आज भाजपा में दूसरे दलों से आए नेताओं का बोलबाला हो रहा है। पार्टी के शासन वाले बहुत से राज्यों में दूसरे दलों से आए नेताओं को मुख्यमंत्री, मंत्री बनाया गया है। ऐसे ही संगठन में दूसरी पार्टी से आए नेता प्रमुख पदों पर बैठे हुए हैं।कभी चाल, चरित्र, चेहरे की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब पूरी तरह से बदल गई है। सत्ता के लालच ने भाजपा का चरित्र ही बदल कर रख दिया है। देश में कम्युनिस्ट पार्टियों के बाद अनुशासन के मामले में सख्त मानी जाने वाली भाजपा का अनुशासन अब तार-तार हो गया है। भाजपा में वफादारी की बात करना अब बेमानी हो गया है। सत्ता के लालच में पार्टी के नेता कब कौन-सा कदम उठा ले किसी को पता नहीं है। 2014 के बाद तो भाजपा पूरी तरह बदल गयी है। इस समय की भाजपा सत्ता की इतनी भूखी हो गई है कि सत्ता मिलते

देख वह अपने जन्मजात दुश्मनों को भी गले लगाने से परहेज नहीं कर रही है। हाल ही में पंजाब भाजपा के अध्यक्ष बनाए गए सुनील जाख? तो कुछ माह पूर्व ही भाजपा में शामिल हुए थे। कांग्रेस पार्टी में तवज्जो नहीं मिलने के चलते सुनील जाखड़ भाजपा में आ गए थे। पूर्व में वह पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसी तरह असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होकर राज कर रहे हैं। उन प्रदेशों में जो पार्टी कैडर के कार्यकर्ता थे उनका आज पता ठिकाना भी नहीं है कि वो लोग कहां गुमनामी में खो गए हैं। भाजपा के मौजूदा नेतृत्व ने जब 2015 में जम्मू-कश्मीर में जम्मू कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के मुफ्ती मोहम्मद सईद फिर उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती के साथ मिलकर सरकार बना ली थी उसी दिन से भाजपा के सभी सिद्धांत समाप्त हो गए थे। सत्ता के लिए मुफ्ती मोहम्मद सईद व महबूबा मुफ्ती जैसे भारत विरोधी विचारधारा के कट्टरपंथी नेताओं के साथ सरकार बनाना भाजपा द्वारा अपने सभी सिद्धांतों को तिलांजलि देने के समान था।

चाल, चरित्र सब बदला

जब 1980 में जनता पार्टी से अलग होकर भाजपा का गठन किया गया था। उस समय राजनीतिक रूप से तो भाजपा कमजोर थी मगर चारित्रिक रूप से बहुत मजबूत थी। भाजपा के अनुशासन व संगठन को लेकर सभी राजनीतिक दलों में चर्चाएं होती थीं। अपने वफादार कार्यकर्ताओं के बल पर भाजपा हर समय संघर्ष करने को तैयार रहती थी। पार्टी नेताओं के एक इशारे पर पार्टी कैडर मरने मारने पर उतारू हो जाता था। पार्टी के कार्यकर्ता भूखे रहकर महीनों तक चुनाव में पार्टी के लिए मेहनत करते थे। मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल गया है। आज भाजपा का कार्यकर्ता सुविधा भोगी हो गया है। सबको सत्ता का लालच आ गया है। पार्टी का हर कार्यकर्ता पांच सितारा जिंदगी में जीना चाहता है। भाजपा का छुटभैया नेता भी आज बड़ी-बड़ी लग्जरी गाड़ियों में घूम रहा है। एक समय पाई पाई के लिए मोहताज रहने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं के पास अचानक ही लग्जरी लाइफस्टाइल बिताने के लिए इतना धन कहां से आया इस बात से पार्टी के बड़े नेताओं को कोई मतलब नहीं रहता है। सत्ता पाने की होड़ में पार्टी आलाकमान उस बात से भी आंख मूंद लेती है जिससे पार्टी की छवि खराब हो रही है।

दिग्गज नेताओं ने पार्टी को किया था तैयार

पार्टी की स्थापना करने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, नानाजी देशमुख, विजय राजे सिंधिया, भैरोंसिंह शेखावत, कुशाभाऊ ठाकरे, सुंदर सिंह भंडारी, कल्याण सिंह, मुरली मनोहर जोशी, शांता कुमार, सुंदरलाल पटवा, श्यामाचरण सकलेचा, मदन लाल खुराना, जगदीश प्रसाद माथुर, विजय कुमार मल्होत्रा, जाना कृष्णमूर्ति, एम वैंकैया नायडू, सूरजभान जैसे बहुत से नेताओं ने पार्टी को बनाने में अपना सब कुछ खपा दिया था। पार्टी में इन वरिष्ठ नेताओं का जब तक दबदबा रहा तब तक पार्टी सत्ता पाने की दौड़ में शामिल नहीं हुई थी। अटल, आडवाणी युग में भाजपा ने अपने को जमीनी स्तर पर बहुत मजबूत किया था। जिसका ही नतीजा है कि आज भाजपा देश में शासन कर रही है। एक समय था जब अटल बिहारी वाजपेयी ने सिद्धांतों से समझौता नहीं कर के प्रधानमंत्री का पद गंवा दिया था। उस दौर में पार्टी के लिए सत्ता से बड़े सिद्धांत होते थे। मगर अब सब कुछ बदल गया है। आज के समय में सत्ता हासिल करना ही पार्टी का मुख्य उद्देश्य बन गया है।

तोड़फोड़ करवा कर सता पर किया कब्जा

इसके साथ ही भाजपा जहां चुनाव नहीं जीत सकती वहां जो?-तोड़ कर सरकार बनाना शुरू कर दिया। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर इसके पहले शिकार हुए। उसके बाद 2018 में कर्नाटक व मध्य प्रदेश में विधानसभा का चुनाव हार जाने के बाद भाजपा ने वहां दल बदल करवाकर अपनी सरकार बना ली थी। उसी का नतीजा है कि पिछले दिनों संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को कर्नाटक में करारी हार झेलनी पड़ी थी। इसी तरह महाराष्ट्र में भी भाजपा ने पहले शिवसेना में और अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में तोड़फोड़ करवा कर अपनी सरकार बनायी है। हालांकि भाजपा के नेताओं को भी पता लग गया है कि जोड़-तोड़ कर बनाई सरकार को मतदाता स्वीकार नहीं करते हैं। मतदाताओं को जब भी कर्नाटक की तरह मौका मिलता है वह बुरी तरह हरवा देते हैं। इसी साल के अंत में मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव होने हैं। मौजूदा परिस्थितियों से वहां भाजपा कि स्थिति सही नहीं लग रही है। भाजपा आलाकमान ने यदि अपनी नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पार्टी के वफादार लोग पार्टी से दूर होते चले जाएंगे। फिर भाजपा में सिर्फ दलबदलू व मौकापरस्त लोगों का जमावड़ा रह जाएगा। जिनके बल पर भाजपा लंबे समय तक नहीं चल पाएगी।

एनडीए में कुछ दल भाजपा से नाराज

सिरफुटौव्वल सिर्फ विपक्ष में नही है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक के पहले भी इसी तरह की खींचतान सामने आ रही है। फिलहाल यह खबर बिहार से है। एनडीए की इस बैठक में जिन नेताओं को बुलावा मिला है या जो मोदी-समर्थन में नजर आ रहे हैं, उन्हें लेकर एक केंद्रीय मंत्री और एक पूर्व केंद्रीय मंत्री ने नाराजगी दिखा दी है। पिछले कुछ दिनों से केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस बेहद परेशान हैं। दिवंगत रामविलास पासवान के भाई का पूरा कुनबा गुत्थमगुत्था हो रहा है। पारस को दिवंगत रामविलास पासवान के बेटे और जमुई के सांसद चिराग पासवान की एनडीए में एंट्री से परेशानी है। भाजपा ने चाचा-भतीजा के बीच अब तक समझौता बैठक नहीं कराई, जिसका नतीजा है कि पारस गरमाए हुए हैं। उन्होंने बैठक के लिए दिल्ली जाने से पहले अपने संसदीय क्षेत्र हाजीपुर में कहा कि वह और चिराग साथ नहीं रहेंगे। भाजपा से गठबंधन है, लोजपा (रामविलास) के साथ सीधे कोई जुड़ाव नहीं होगा। दूसरी तरफ, चिराग पासवान बैठक के दो दिन पहले ही पटना से दिल्ली लौट चुके हैं। उन्होंने पटना में रहते हुए भी मीडिया से इस मुद्दे पर बात नहीं की। इधर, एनडीए सरकार में ही केंद्रीय राज्यमंत्री रह चुके उपेंद्र कुशवाहा भी नाराज हैं। मोदी पक्ष या मोदी विरोध के सवाल पर वह भले कह रहे हैं कि 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री की कुर्सी पर नरेंद्र मोदी का विकल्प नहीं है, लेकिन वह बिहार के ही कुशवाहा नेता नागमणि की एनडीए में एंट्री से नाराज हैं। 18 जुलाई को वह दिल्ली में हो रही एनडीए की बैठक में जा रहे हैं या नहीं, इस सवाल पर एक दिन पहले पटना में कहा- बुलावा आया है। जाएंगे या नहीं, यह पहले से नहीं बताएंगे। जाना होगा तो जाएंगे, फिर पता चल ही जाएगा। नहीं जाएंगे तो भी पता चल ही जाएगा। जनता दल यूनाईटेड से मुक्त होकर राष्ट्रीय लोक जनता दल) का गठन करने के बाद ही उनके लिए सिर्फ एनडीए का रास्ता बचा था। उन्होंने एनडीए के साथ होने की बात कही भी, लेकिन पिछले दिनों नागमणि की भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह से मुलाकात के बाद से उपेंद्र कुशवाहा के तेवर बदले हुए हैं। वह विकल्पहीन दिख रहे हैं, लेकिन स्वजातीय नेता नागमणि की एंट्री से गुस्से में हैं। नागमणि ने एनडीए में जाने की घोषणा ही नहीं की, बल्कि उपेंद्र कुशवाहा की पसंदीदा काराकाट संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव में उतरने की इच्छा भी जता दी थी।

पुराने कार्यकर्ता दरकिनार

2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने और अमित शाह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने उसके बाद से पार्टी में पुराने नेताओं, पुराने कार्यकर्ताओं को धीरे-धीरे पीछे धकेला जाने लगा। उनके स्थान पर फाइव स्टार कल्चर के नए-नए लोगों को आगे बढ़ाए जाने जाने लगा। भाजपा के बारे में माना जाता था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का पार्टी पर पूरा नियंत्रण रहता है। संघ की इजाजत के बिना पार्टी में पत्ता भी नहीं हिल सकता है। मगर मौजूदा परिस्थितियों में लगता है कि संघ का पार्टी पर से नियंत्रण समाप्त हो गया है। संघ के पदाधिकारी भी आज मौन रहकर पार्टी के सत्ता लोलुप स्वरूप को देख रहे हैं। पार्टी की नीतियों में हस्तक्षेप करने की संघ में भी हिम्मत नहीं रह गई है। इसीलिए भाजपा के बड़े नेता मन मुताबिक फैसले लेकर काम कर रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

दरकते पहाड़ों को बचाना जरूरी

बारिश के तेज होते ही सबसे ज्यादा पहाड़ों से भूस्खलन की खबरे आने लगती हैं। उतराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मर हो या अन्य पहाड़ी इलाके बर्षा के बढ़ते ही इन जगहों पर हादसों की संख्या भी बढ़ने लगती है। मौजूदा हालात हमें भविष्य की पारिस्थितिकीय असुरक्षा की तरफ ले जा रहे हैं। जिस तरह से पहाड़ टूट रहे हैं और लगातार भू-स्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं, एक दिन ऐसा भी हो सकता है कि हिमालय अपना अस्तित्व खो दे। इसलिए हिमालय को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंतन-मंथन होना चाहिए। यह मात्र पहाड़ को बचाने के लिए नहीं, बल्कि देश की पारिस्थितिकी सुरक्षा को भी बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण होगा। इसके साथ सीमा सुरक्षा भी अपने आप जुड़ जाती है। इस बार की बारिश ने एक बार फिर से उत्तराखंड में 2013 की केदारनाथ त्रासदी की यादें ताजा कर दी हैं। हालांकि लगातार 72 घंटों से ज्यादा समय तक हुई बारिश से पूरे देश के विभिन्न हिस्से प्रभावित हुए हैं, लेकिन बारिश का सबसे ज्यादा असर अगर कहीं पड़ा है, तो वह पहाड़ी क्षेत्र ही है।

हिमाचल प्रदेश के हालात तो बहुत गंभीर हो गए हैं। मनाली, मंडी जैसे पर्यटक स्थल आज पूरी तरह सूने हो चुके हैं। एक बार फिर जनमानस में उसी भय ने जगह बना ली है, जो केदारनाथ त्रासदी के कारण हुई थी। जान-माल के भारी नुकसान की खबरें भी हैं और आने वाले समय में ही पूरे नुकसान का आकलन किया जा सकेगा। स्वयं प्रधानमंत्री ने इन सभी क्षेत्रों में भारी बारिश से हुए नुकसानों की जानकारी ली। जाहिर है, प्रधानमंत्री की चिंता हिमालय के प्रति है। दुनिया के बदलते पर्यावरण का अगर किसी को सबसे बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ता है, तो वह हिमालय क्षेत्र ही है। पृथ्वी का औसत तापमान 17 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। वर्ष 2016 से 2022 के बीच में यह करीब 12 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच में झूल रहा था। वर्ष 2016 में औसत तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस था, जो अब 17 डिग्री सेल्सियस का आंकड़ा पार कर चुका है। इसका सीधा असर समुद्रों पर पड़ता है, क्योंकि पृथ्वी में सबसे ज्यादा समुद्र ही हैं। जब कभी समुद्र का तापक्रम बढ़ेगा, तो स्वाभाविक है कि वाष्पोत्सर्जन होगा और यही टुकड़ों-टुकड़ों में बारिश बनकर जगह-जगह कहर ढाता रहेगा। प्रकृति के चक्र को तो हम समझते ही हैं कि गर्मियों में मानसून समुद्र से उत्पन्न होता है और यह उत्तर भारत का रुख करता है, जिससे देश में इस समय बारिश होती है। लगातार औसत तापमान के बढ़े होने के कारण समुद्र में तूफान तो चलेंगे ही, लेकिन पृथ्वी पर कब किस समय वर्षा हो जाए, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकेगा।

“ मौजूदा हालात हमें भविष्य की पारिस्थितिकीय असुरक्षा की तरफ ले जा रहे हैं। जिस तरह से पहाड़ टूट रहे हैं और लगातार भू-स्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं, एक दिन ऐसा भी हो सकता है कि हिमालय अपना अस्तित्व खो दे। इसलिए हिमालय को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंतन-मंथन होना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कसौटी पर स्कूली शिक्षा की उपलब्धियां

सुरेश सेठ

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने हाल ही में देश की स्कूली शिक्षा के बारे में जो विहंगम दृष्टिपात किया है, वह देश की शिक्षा के भाग्य-विधाताओं द्वारा शिक्षा क्रांति के दावों की पैरवी करने के बावजूद करोड़ों नौनिहालों के लिए विशेष आस नहीं बंधा रहा। बेशक यह महसूस कर लिया गया कि देश की नई पीढ़ी को नवजागरण की आवश्यकता है। यह भी कि अमृत महोत्सव तक आते-आते राष्ट्र विकास का कितना पथ तय कर गया और अगले 25 साल में स्कूली नौनिहालों ने प्रगति की धुरी बनकर उसे कहां से कहां ले जाना है। इसीलिए देश में शिक्षा के प्रसार के लिए समय-समय पर अनेक कार्यक्रम और अभियान चलाए जाते हैं।

इस चुनावी साल में राजनीतिक दलों के चुनावी एजेंडे में दो ही बातें प्रमुख हैं। एक स्कूली शिक्षा का विकास और दूसरा प्राथमिक चिकित्सा एवं सही उपचार की उपलब्धता। निश्चय ही देश के उत्तरी हिस्से यानी पंजाब, हरियाणा और हिमाचल में शिक्षा-प्रसार को लेकर चलाए गए अभियान दावा करते हैं कि नई पौध का बहुत बड़ा हिस्सा अब शिक्षा के दायरे में आ गया है। हाल ही में जारी किये गये एक परफॉरमेंस ग्रेडिंग सूचकांक रिपोर्ट में स्पष्ट कर दिया गया है कि पंजाब और केन्द्र शासित क्षेत्र चंडीगढ़ में स्कूली शिक्षा के प्रचार-प्रसार की बहुत अच्छी स्थिति है। स्कूल शिक्षा के लिए मूलभूत ढांचे का विकास किया गया है। शिक्षा के इस नये मॉडल में नया सिद्धांत लागू करते हुए निजी स्कूलों के वर्चस्व को सरकारी स्कूल, मैरिट स्कूल और स्कूल ऑफ एमिनेंस भी चुनौती दे रहे हैं। ऐसे में पंजाब और चंडीगढ़ गर्वित हो सकते हैं कि स्कूली शिक्षा की उपलब्धि के मामले में वे शीर्ष पर हैं। लेकिन यह शीर्ष कैसा है? असल में यदि इसकी गुणवत्ता जांचें तो पाते हैं कि इस जांच-पड़ताल के लिए पहले पांच कसौटियां थीं, अब दस कसौटियां बना दी गई हैं। लेकिन ये राज्य जो नौनिहालों की शिक्षा के मामले में शीर्ष पर बैठे हैं, पहली पांच कसौटियों को भी पूरा ही नहीं करते। बाकी पांच कसौटियों के मामले में वे इन्हें आंशिक रूप से पूरा करते हैं।

बता दें कि साल 2017 में प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक के दस ग्रेड तय किए गए थे। शिक्षा में निवेश तो किया गया। हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब का दावा है कि उन्होंने शिक्षा-प्रसार के लिए पिछले वर्ष से 50 प्रतिशत अधिक खर्च किया है। कसौटी तो यह भी है कि देश के नौनिहालों को नई शिक्षा नीति के

अधीन रोजगार उन्मुख और शोधपरक शिक्षा देने के लिए सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 6 प्रतिशत व्यय करना चाहिए लेकिन वास्तविकता यह है कि यह चाहे आधुनिकता का दम भरने वाला पंजाब हो या चंडीगढ़ यहां शिक्षा के लिए सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत से अधिक खर्च नहीं किया जाता है। वहीं परिणाम की बात की जाये तो शिक्षा का यह प्रभाव कई प्रतिमानों पर पूरा नहीं उतरता। शिक्षा प्रदान करने के वार्षिक खाते को निरंतर सुधारा नहीं जा रहा है। बेहतर साधनों को साझा नहीं किया जा रहा अर्थात सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों को एक ही कड़ी मानकर शिक्षा प्रदान करने की डिजिटल सुविधाओं को लागू नहीं किया गया। जहां तक शिक्षा प्रबंधन का संबंध है, उसमें भी कमियां हैं। कहा जाता है कि स्कूली छात्रों और अध्यापकों का अनुपात 1 और 40 से अधिक नहीं होना चाहिए लेकिन हकीकत में कई ग्रामीण स्कूलों में 1 या 2 अध्यापक ही सभी प्राइमरी कक्षाओं को संभालते हैं। शिक्षकों को नियमित करने की भी एक समस्या है। शिक्षक के तौर पर चयनित हो जाने के बाद उन्हें नियुक्ति पत्र पाने के लिए भी अनावश्यक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। शिक्षा का मूलभूत ढांचा तो शिक्षण संस्थानों के परिसर बनाकर खड़ा कर दिया गया लेकिन उनमें जो शोध, पुस्तक संस्कृति और रोजगारपरक योग्यता के विकास का माहौल होना चाहिए, वह नहीं पाया जाता। पंजाब की तो स्थिति यह है कि यहां विज्ञान विषयों और शोध प्रयासों से बचकर छात्र कला संकाय की ओर भागते हैं। मुख्य मकसद डिग्री हासिल करना और 'बैंड' बनाकर विदेशों की ओर पलायन करना रहता है। बेशक देश में शिक्षा की हालत में सुधार के लिए लम्बे समय से प्रयास हो रहे हैं।

सरकारी स्तर पर यह भली भांति ज्ञात है कि शिक्षा के बिना देश में ठोस विकास नहीं हो सकेगा। इसलिए नये-नये कार्यक्रम संचालित करते हुए उनकी गुणवत्ता में व्यावहारिकता लाने की नई कवायद होनी चाहिए, जो नहीं हो पाती है। पिछले कई सालों से स्कूलों में दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता को जब एक अनिवार्य कसौटी पर कसा जाता है तो उसके यही परिणाम निकलते हैं कि शिक्षा से समझ और ज्ञान के विकास में वह वृद्धि नहीं हो पा रही जो होनी चाहिए। स्कूलों में पांचवीं, छठी या उससे ऊपर की कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चे भी दूसरी या तीसरी कक्षा की किताबें भी ठीक से नहीं समझ पाते।

बूंदों के बिखरने में जीवन की कोंपलें

रेनू सैनी

छोटी बारिश की बूंदें जब कंक्रीट के फर्श पर गिरती हैं या पत्तों पर ढुलक जाती हैं तो उनके गिरने की आहट हृदय को एक सुकून प्रदान करती है। बारिश की गोल बूंदों का हमारे जीवन में मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत गहरा महत्व है। ये गोल बूंदें कहती हैं कि कुछ भी अमर नहीं होता। सुंदर से सुंदर प्राणी और वस्तु भी नष्ट हो जाती है। लेकिन हां, जब तक उसका अस्तित्व है तब तक उसकी सुंदरता को महसूस करना चाहिए और उसके साथ आनंद उठाना चाहिए।

सावन में इन दिनों उत्तर भारत खूब भीग रहा है। मंजिल फिल्म का एक बहुत ही खूबसूरत गीत है, 'रिमझिम गिरे सावन, सुलग-सुलग जाए मन।' इस गीत को सावन में सुनने का आनंद ही कुछ और है। हाल ही में एक वृद्ध जोड़े ने इस गीत का हुबहू फिल्मांकन किया है और इस वीडियो को भी दुनिया में अनेक लोगों ने पसंद किया है। इससे साबित होता है कि उम्र कोई भी हो, लेकिन जब-जब सावन आता है, तब-तब मन पावस होकर खिल उठता है, झूम उठता है, तरंगें गाने लगता है। वर्षा प्रकृति से लेकर विश्व के हर प्राणी को जीवन प्रदान करती है। वर्षा में जहां पेड़-पत्ते निखर उठते हैं, वहीं अनेक नये जीव-जंतु भी पनपते हैं और अपने जीवन को भोगते हैं।

क्या आपने कभी आसमान से उतरती बूंदों को हाथ में लेकर देखा है, उनका स्वाद चखा है, उनके आकार को ध्यान से देखा है। बूंदें गोल-गोल होती हैं क्यों? पृथ्वी गोल है, रोटी गोल है, रुपया गोल है। कहने का तात्पर्य है कि हर महत्वपूर्ण चीज गोल है। बूंदें गोल होने का वैज्ञानिक कारण है-गुरुत्वाकर्षण। गुरुत्वाकर्षण के कारण सबसे न्यूनतम आकार गोलाकार होता है। इसलिए जैसे-जैसे वर्षा का पानी पृथ्वी के पास आता है वो गोल आकार की हो जाती है। छोटी बारिश की बूंदें जब कंक्रीट के फर्श पर गिरती हैं या पत्तों पर ढुलक जाती हैं तो उनके गिरने की आहट हृदय को एक सुकून प्रदान करती है। बारिश की गोल बूंदों का हमारे जीवन में मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत गहरा महत्व है। ये गोल बूंदें कहती हैं कि कुछ भी अमर नहीं होता। सुंदर से सुंदर प्राणी और वस्तु भी नष्ट हो जाती है। लेकिन हां, जब तक उसका अस्तित्व है तब तक उसकी सुंदरता को महसूस करना चाहिए और उसके साथ आनंद उठाना चाहिए। बूंदें गोलाकार बुलबुले में बदल कर बेहद हसीन लगती हैं लेकिन केवल कुछ सेकंड के लिए। इसके बाद वे सारी गोल बूंदें एक साथ मिल जाती हैं और धरा की गहराई में समा जाती हैं। धरती को नमी प्रदान करती हैं ये गोल बूंदें, जिनसे जीवन सरस हो कर मुस्कराता है। उनके साथ मुस्कराती है पूरी प्रकृति।

क्षणिक लघु जीवन प्राप्त करने वाली बूंदें प्रत्येक व्यक्ति को यही संदेश देती हैं कि उतार-चढ़ाव, गिरना-चढ़ना व्यक्ति के जीवन के अनिवार्य पड़ाव हैं। इन पड़ावों को सहज भाव से स्वीकार कर परोपकार के साथ अपने जीवन को जिएं। गोल बूंदें पृथ्वी पर पड़कर जब नष्ट होती हैं तो वे प्रकृति के लिए भोजन एवं जीवन प्रदान करती हैं। यही जीवन का सत्य है। जब एक चीज नष्ट होती है तभी दूसरे का निर्माण होता है। टैरी फॉक्स का जन्म 28 जुलाई, 1958 को कनाडा में हुआ था। वह बचपन से ही खेल-कूद में बेहद सक्रिय था। गोल-मटोल टैरी धीरे-धीरे बड़ा होता रहा। अठारह साल की आयु में एक दिन टैरी को कुछ कमजोरी-सी महसूस हुई। डॉक्टर ने जांच करने के बाद टैरी से कहा, 'यंग ब्वॉय, यकीन नहीं होता कि इतनी कम उम्र में तुम कैंसर से पीड़ित हो।' यह सुनकर टैरी भौचक्का हो गया। वह तो भविष्य में एक सर्वश्रेष्ठ धावक बनने के सपने देखता था। एक दिन काले-काले बादल आसमान में घिर आए थे। कुछ ही देर में बूंदें जमीन पर गिरने लगीं। उस दिन टैरा ने उन बूंदों को करीब से देखा। जैसे ही एक गोल बूंद पृथ्वी पर गिरती, बहुत ही आकर्षक और मन को मोह लेती। लेकिन जैसे ही टेरी बूंद को हाथ लगाता, वैसे ही वह फूट कर अन्य बूंदों की धारा में बह जाती। उस दिन उन बूंदों ने टैरी को यह संदेश दिया कि जीवन एक बुलबुला है लेकिन यदि जीवनरूपी बुलबुले को फूटने से पहले कुछ ऐसा कर दिया जाए कि दुनिया याद रखे तो फिर वह जीवन अमर हो जाता है। बस उस दिन उसने निर्णय कर लिया कि वह लोगों के मन में संकल्प की ज्योति जगाकर मृत्यु को प्राप्त होगा। टैरी के शरीर में कैंसर बढ़ता गया और डॉक्टरों को उसकी दांई टांग काटनी पड़ी। दायां पैर कटने के बाद भी टैरी के हौसले पस्त नहीं हुए बल्कि और अधिक बुलंद हो गए। उसने कैंसर पर शोध के लिए रुपये जुटाने के उद्देश्य से 'मैराथॉन ऑफ होप' नामक कनाडा के आरपार की दौड़ करने का निर्णय लिया। एक पैर कटने के कारण वह दाईं तरफ नकली टांग लगाता और दिन भर में घिसट-घिसट कर वह 24 मील का फासला तय कर लेता। वह इस तरह 143 दिन तक दौड़ने में सफल रहा। उसने सेंट जॉन्स, न्यू फाउंडलैंड से थंडर बे, ऑन्टेरियो तक 3,339 मील पार किए। एक दिन ज्यादा तबीयत खराब होने पर डॉक्टर ने टैरी से कहा कि उसे अपनी दौड़ को छोड़ना होगा क्योंकि कैंसर फेफफों तक पहुंच चुका है। इसके कुछ ही महीने बाद टैरी फॉक्स की मृत्यु हो गई। उस समय उसकी आयु मात्र 22 साल थी। अपने 22 साल के जीवन में ही टैरी अमर हो गया। आज भी वार्षिक टैरी फॉक्स दौड़ कनाडा और विश्व के अन्य हिस्सों में आयोजित की जाती हैं। इन दौड़ों का उद्देश्य कैंसर के शोध के लिए रुपया जुटाना है। इस सावन में बारिश की गोल बूंदों को अपने हथेली पर लीजिए, उन्हें ध्यान से देखिए और फिर अपने जीवन में कोई ऐसा संकल्प कीजिए जो आपके जीवन को अमर कर दे।

बच्चों को सही और गलत के बीच में फर्क समझाना जरूरी

जब बच्चे को कोई चीज चाहिए तो वो बस उसकी डिमांड करने लगता है ओर उसे पाने के लिए जिद करने लगता है। जब आप बच्चे को उसकी पसंद की कोई चीज नहीं मिलती है, तो वो उसे पाने के लिए चिल्लाने लगता है। इस उम्र के बच्चों को सही और गलत के बीच में फर्क समझाना जरूरी होता है और यह मां-बाप का ही काम है। जब बच्चे की कोई डिमांड पूरी नहीं की जाती है, वो कई बार गलत तरीके से भी बात करना शुरू कर देता है या आपका अपमान करता है। बच्चों का इस तरह का व्यवहार गलत होता है और अगर उन्हें अभी नहीं टोका गया, तो यह आगे चलकर आपके और उसके खुद के लिए परेशानी बन सकता है।

सम्मान कर के दिखाएं

अपने बच्चे के साथ हमेशा सम्मानपूर्वक व्यवहार करने का प्रयास करें। जब वह आपसे बात कर रहा हो तो उसकी बात धैर्यपूर्वक सुनें। उसके स्तर तक नीचे आएं और उसकी आंखों में देखें। उसे बताएं कि वह जो कह रहा है, उसमें आपको सचमुच रुचि है। यह उसे आपकी बात ध्यान से सुनना सिखाने का सबसे अच्छा तरीका है। आप खासतौर पर बच्चे के सामने हमेशा शिष्टाचार का पालन करें। जब आप उससे कुछ करने के लिए कहें तो कृपया और धन्यवाद कहें। बातचीत में विनम्र शब्दों का प्रयोग करें। बच्चे आपके व्यवहार की नकल करके सीखते हैं।

ओवर रिएक्ट करने से बचें

यदि आपका बच्चा आपको मारता है या खरोंचता है, तो परेशान न होने का प्रयास करें। वह आपको उकसाने की कोशिश कर रहा है और आपको इसका कारण जानने की जरूरत है। वो आपका ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए ऐसा कर सकता है और अगर आपने उसकी इस जरूरत को पूरा कर दिया, तो उसे लगेगा कि आपकी अटेंशन पाने का यह आसान तरीका है। उसे उन तरीकों के बारे में बताएं जिनकी मदद से वो तमीज से भी अपनी बात कह सकती है।

तारीफ करना ना भूलें

जब भी संभव हो, अपने बच्चे के अच्छा व्यवहार करने पर उसकी तारीफ जरूर करें। अपनी प्रतिक्रियाएं स्पष्ट और सरल रखें। जब वह कोई विनम्र बात कहे तो केवल अच्छा बच्चा या शाबाश न कहें। उदाहरण के लिए, उसे कहें, जब आपने जूस मांगा तो प्लीज कहने के लिए धन्यवाद। इस तरह आपका बच्चा जल्दी ही सीख जाएगा कि उसके प्रयास सार्थक और सराहनीय है। उसे सिखाएं कि आप उसके अनुरोधों का जवाब केवल तभी देंगे जब वह विनम्रता से पूछेगा। अभी आओ के बजाय, उससे यह कहलवाएं कि प्लीज आओ, मम्मी?

अपने वादे पूरे करें

यदि आपने अपने बच्चे से कहा है कि वह अपने खिलौनों की सफाई करेगा तो आप उसे पार्क में ले जाएंगे, तो अपना वादा निभाएं। यदि आपने ऐसा नहीं किया, तो इस बात की बहुत कम संभावना है कि वह आपके प्रति सम्मान दिखाएगा या आपकी किसी बात पर भरोसा करेगा। इससे आप दोनों के बीच का रिश्ता भी कमजोर होगा।

हंसना मना है

पप्पू जलेबी बेच रहा था, लेकिन कह रहा था, आलू ले लो आलू ले लो... राहगीर- लेकिन ये तो जलेबी है, पप्पू- चुप हो जा! वरना मक्खियां आ जाएंगी।

संता ने अपनी पत्नी को बैंक की लाइन में खड़ा करवा दिया और चला गया, शाम को वापस आया तो पत्नी बोली- धूप में खड़े-खड़े दो बजे बैंक के दरवाजे में घुसी, तीन बजे कैशियर के सामने पहुंची, आधे घंटे बाद आया और कंप्यूटर पर बैठ कर बोला- सॉरी मैम पैसे नहीं हैं।आपकी कसम मुंह मिर्ची खाये जैसा हो गया, मेरे तो तन-बदन में आग-सी लग गई, सारे दिन रोई परेशान हुई। संता गुस्सा करता हुआ बोला और तुम पागलों जैसी यूं ही आ गई? उनका कुछ नहीं कर पाई? मुझ पर तो आज तक 15 बेलन तोड़ चुकी हो, कम से कम एक बेलन उन पर तोड़ आती, उनको भी तो कुछ मालूम पड़ता। पत्नी बहुत ही धीरज से बोली बेलन तो आज एक और टूटेगा! पैसा बैंक में था, तुम्हारे खाते में नहीं था।

कहानी — तितली-का-संघर्ष

एक बार एक आदमी को अपने गार्डेन में टहलते हुए किसी टहनी से लटकता हुआ एक तितली का कोकून दिखाई पड़ा। अब हर रोज वो आदमी उसे देखने लगा और एक दिन उसने नोटिस किया कि उस कोकून में एक छोटा सा छेद बन गया है। उस दिन वो वहीं बैठ गया और घंटो उसे देखता रहा। उसने देखा की तितली उस खोल से बाहर निकलने की बहुत कोशिश कर रही है पर बहुत देर तक प्रयास करने के बाद भी वो उस छेद से नहीं निकल पायी और फिर वो बिलकुल शांत हो गयी मानो उसने हार मान ली हो। इसलिए उस आदमी ने निश्चय किया कि वो उस तितली की मदद करेगा। उसने एक कैंची उठायी और कोकून की ओपनिंग को इतना बड़ा कर दिया की वो तितली आसानी से बाहर निकल सके और यही हुआ, तितली बिना किसी और संघर्ष के आसानी से बाहर निकल आई, पर उसका शरीर सूजा हुआ था और पंख सूखे हुए थे। वो आदमी तितली को ये सोच कर देखता रहा कि वो किसी भी वक्त अपने पंख फैला कर उड़ने लगेगी, पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। इसके उलट बेचारी तितली कभी उड़ ही नहीं पाई और उसे अपनी बाकी की ज़िन्दगी इधर-उधर घिसटते हुए बीतानी पड़ी। वो आदमी अपनी दया और जल्दबाजी में ये नहीं समझ पाया की दरअसल कोकून से निकलने की प्रक्रिया को प्रकृति ने इतना कठिन इसलिए बनाया है ताकि ऐसा करने से तितली के शरीर में मौजूद तरल उसके पंखों में पहुच सके और वो छेद से बाहर निकलते ही उड़ सके। वास्तव में कभी-कभी हमारे जीवन में संघर्ष ही वो चीज होती जिसकी हमें सचमुच आवश्यकता होती है। यदि हम बिना किसी स्ट्रगल के सब कुछ पाने लगे तो हम भी एक अपंग के सामान हो जायेंगे। बिना परिश्रम और संघर्ष के हम कभी उतने मजबूत नहीं बन सकते जितना हमारी क्षमता है। इसलिए जीवन में आने वाले कठिन पलों को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखिये वो आपको कुछ ऐसा सीखा जायंगे जो आपकी ज़िन्दगी की उड़ान को पॉसिबिल बना पायेंगे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपको नौकरी में सम्मान प्राप्त हो सकता है। मध्याह्न के बाद सहसा शारीरिक शिथिलता और मानसिक व्यग्रता का अनुभव होगा। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृषभ

व्यावसायिक सन्दर्भ में आज आपको कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। समय पर ढंग से चीजों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होगा।

मिथुन

आज आप दोस्तों के साथ घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं। आप खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे। इस राशि के मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर है।

कर्क

आज बड़े बदलावों से बचें। आपकी मेहनत कम हो सकती है। कोई निजी समस्या है, तोआपको उससे संबंधित महत्वपूर्ण सूचना मिल सकती है।

सिंह

आपको जल्द ही घर में किसी नए सदस्य के आने के बारे में अच्छा समाचार सुनने को मिलेगा। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते में सुधार आएगा।

कन्या

इस राशि के कारोबारियों को उम्मीद से ज्यादा लाभ मिलेगा। ऑफिस में आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा। आज आपका दिन शानदार रहेगा।

तुला

आज अत्यधिक चिंता और भावनाओं के कारण वैसे शारीरिक और मानसिक रूप से व्यग्रता और अस्वस्थता अनुभव करेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक

यह मिश्रित परिणामों वाला दिन है, लेकिन व्यापक स्तर पर चीजें आपके पक्ष में होंगी। कार्य स्थल पर बाधाओं और कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु

आज का दिन सुनहरे पल लेकर आयेगा। नए कार्यों में आपको भाग्य का पूरा- पूरा साथ मिलेगा। साहित्य के क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी।

मकर

कुछ पुरानी बातें आज आपको परेशान कर सकती हैं। उबाऊ होती शादीशुदा जिंदगी के लिए कुछ रोमांच ढूंढने की जरूरत है। प्रेम संबंध में गंभीरता आएगी।

कुम्भ

व्यावसायिक सन्दर्भ में अपने आप को साबित करने के लिए आज आपको कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता हो सकती है। धन को आप समझदारी से निवेश करें।

मीन

आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कुछ लोगों की मदद से आपके काम पूरे हो सकते हैं। आपको कोई अच्छी खुशखबरी मिल सकती है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

सलमान ने नाम का गलत इस्तेमाल करने वालों को दी चेतावनी

सलमान खान कई साल से फिल्म इंडस्ट्री में विराजमान हैं और पब्लिक को एंटरटेन कर रहे हैं। अभिनेता भले ही 55 के पार हो चुके हैं, लेकिन उनका स्वैग अभी भी बरकरार है। वह अपनी हर फिल्म में ऐसा कमाल कर देते हैं कि फैंस भी देखते रह जाते हैं। बीते दिनों अभिनेता को शाहरुख खान की फिल्म पठान में कैमियो रोल करते हुए देखा गया था। इसके बाद वह फिल्म किसी का भाई किसी की जान में नजर आए, हालांकि यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं कर पाई। अब इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म टाइगर 3 को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में अभिनेता ने फिल्मों में कास्टिंग को लेकर नोटिस जारी किया है। सलमान खान ने इस बात को साफ कर दिया है कि न तो वह और न ही उनकी प्रोडेक्शन कंपनी फिलहाल किसी भी फिल्म के लिए कास्टिंग नहीं कर रहे हैं। सलमान खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया। जिसमें लिखा है, न तो सलमान खान और न ही सलमान खान फिल्म फिलहाल किसी भी फिल्म के लिए कास्टिंग नहीं कर रहे हैं। हमने किसी भी फ्यूचर फिल्म के लिए किसी भी कास्टिंग एजेंट को हायर नहीं किया है। प्लीज अगर कास्टिंग से संबंधित कोई मेल या मैसेज आपको मिले तो किसी भी मेल और मैसेज पर विश्वास मत करिए। पोस्ट में आगे लिखा है, अगर कोई भी सलमान खान और सलमान खान फिल्म का नाम गलत तरीके से इस्तेमाल करता पाया गया तो उसके खिलाफ लीगल एक्शन लिया जाएगा। बता दें कि इससे पहले 2020 में भी ऐसी अफवाहें आई थीं कि सलमान खान अपनी फिल्मों के लिए कास्टिंग कर रहे हैं और उन्होंने कास्टिंग एजेंट रखा है। उस वक्त भी सलमान खान ने इन सभी खबरों को अफवाह बताया था। सलमान ने कहा था कि इस तरह की अफवाहों पर विश्वास मत करिए।

नए निर्देशकों ने मेरे करियर को दिया आकार : रानी

रानी मुखर्जी ने अपने फिल्मी करियर में कई शानदार निर्देशकों के साथ काम किया है। सबसे खास बात है कि नए निर्देशकों की फिल्मों में काम करने से रानी कभी पीछे नहीं रहीं। उनका मानना है कि नए निर्देशकों की फिल्मों में काम करना उनके करियर के लिए बेहतर ही रहा है। बता दें कि रानी इसी साल मार्च में रिलीज हुई फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे में नजर आईं थीं, जिसे न्यूकमर डायरेक्टर आशिमा छिब्बर ने निर्देशित किया। रानी मुखर्जी ने हाल ही में आशिमा छिब्बर की तारीफ करते हुए कहा कि उनके द्वारा निर्देशित फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे वैश्विक स्तर पर सराही गई है। रानी का मानना है कि बॉलीवुड में उन्होंने जितने भी न्यूकमर्स के साथ काम किया है, उनमें एक बात सामान्य है कि उनमें फिल्म को बेहतर से बेहतर बनाने के लिए ज्यादा भूख होती है, क्योंकि वे अपनी पहली कुछ फिल्मों के जरिए ही इंडस्ट्री पर अपनी अलग छाप छोड़ना चाहते हैं। रानी का कहना है, मैं हमेशा नए निर्देशकों के साथ काम करने के लिए उत्साहित रही हूं, क्योंकि मैंने उनमें अपनी फिल्मों के जरिए धमाका करने की ज्यादा भूख देखी है। यही वजह है कि मैंने कई नए डायरेक्टर्स के साथ खुशी-खुशी काम किया। कई डायरेक्टर्स की पहली फिल्म में काम किया। और ऐसा करना मेरे लिए फायदेमंद रहा। मैंने उनमें गजब की क्रिएटिव एनर्जी देखी। एक्ट्रेस ने आगे कहा, फर्स्ट टाइम डायरेक्टर्स के साथ काम करने का सिलसिला मेरे करियर की शुरुआत से ही रहा। करण जौहर की फिल्म कुछ कुछ होता है इनमें से एक है, जो ब्लॉकबस्टर रही। करण के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा। बता दें कि करण जौहर ने कुछ कुछ होता है से निर्देशन में डेब्यू किया था। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैंने शाद अली के साथ उनकी पहली फिल्म साथिया में काम किया, जिस पर मुझे गर्व है।

बॉलीवुड | मसाला

बवाल के लिए अनिल एक स्ट्रॉन्ग रेफ्रेंस पॉइंट थे : वरुण धवन

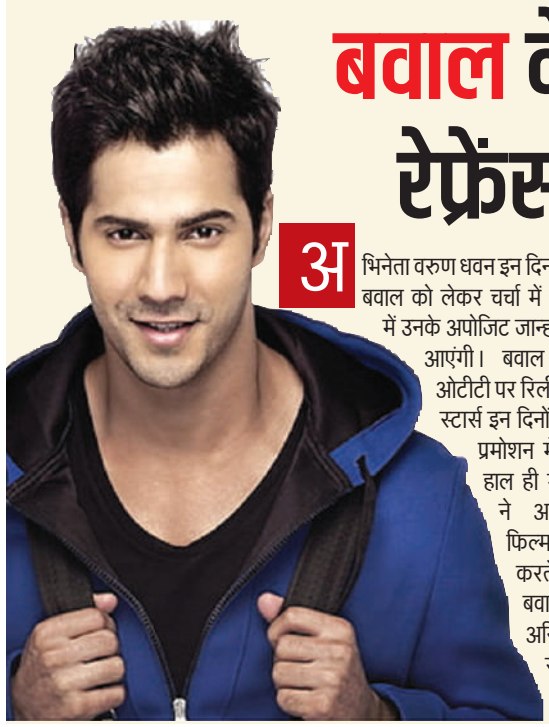

अभिनेता वरुण धवन इन दिनों अपनी फिल्म बवाल को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके अपोजिट जान्हवी कपूर नजर आएंगी। बवाल इसी महीने ओटीटी पर रिलीज होगी। दोनों स्टार्स इन दिनों इस फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। हाल ही में वरुण धवन ने अपनी आगामी फिल्म का जिक्र करते हुए कहा कि बवाल के लिए अनिल कपूर एक स्ट्रॉन्ग रेफ्रेंस पॉइंट थे। हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान वरुण धवन ने कहा, शुरुआत में अज्जू के बारे में जानना कि वह कैसे बात करेगा, कैसे चलेगा और भी बहुत कुछ...। मैं यह बात पहले भी कह चुका हूं कि इस फिल्म में मेरा किरदार मेरी पर्सनैलिटी से बिल्कुल अलग है, इसलिए मुझे लग रहा था कि मैं इस किरदार में खुद को फिट बिठा पाऊंगा या नहीं। वरुण धवन ने आगे कहा, मुझे पता था कि किरदार बहुत अलग है। एक बार मैं नितेश तिवारी के साथ रिहर्सल कर रहा था। वह जो लाइन कह रहे थे, मैं वही लाइन्स बोल रहा था, लेकिन इस दौरान मेरी रफ्तार धीमी थी। लेकिन, इस तरह मुझे अपने किरदार के लिए बात करने की लय मिली और सबकुछ आसान हो गया। एक्टर का कहना है, मुझे लगता है कि किसी जगह पर आना और यह कहना बहुत अच्छा है कि मैंने यह किया और वह किया, लेकिन जब आप किसी अच्छे व्यक्ति के साथ काम कर रहे होते हैं तो आपका काम आसान हो जाता है। उन्होंने आगे कहा, फिल्म में मेरे किरदार के लिए अनिल कपूर मेरे पास एक स्ट्रांग रेफरेंस हैं।

फिल्म बवाल इसी महीने ओटीटी पर रिलीज होगी

अजब-गजब | सबसे तीखी मिर्च खाने का रिकॉर्ड इनके नाम

33 सेकेंड में चट कर गए 10 कैरोलिना रीपर

अक्सर लोगों को देखा गया है कि कई लोग चटपटा, मिर्च-मसालों के बहुत ज्यादा शौकीन होते हैं। उन्हें तीखापन इतना ज्यादा पसंद आता है। की लोग उनको ये सब खाते देखकर पसीना आ जाये लेकिन उनको खाने में मजा आता है। लेकिन क्या आप दुनिया की सबसे तीखी मिर्च खा सकते हैं? शायद नहीं। क्योंकि यह इतनी तीखी है कि आप इसे जुबान पर भी नहीं लगा सकते। एक मिर्च से सैकड़ों लोगों का भोजन बन सकता है। मगर एक शख्स इससे कहीं आगे चला गया। उसने 1-2 नहीं 10 कैरोलिना रीपर चट कर दिया और वह भी महज 33।15 सेकंड में। बता दें कि कैरोलिना रीपर को 2017 में दुनिया की सबसे तीखी मिर्च का खिताब मिला था।

हम बात कर रहे कैलिफोर्निया के रहने वाले ग्रेगरी फोस्टर की। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्?ड रिकॉर्ड ने ट्विटर पर बताया कि सबसे तेज़ समय में सबसे ज्यादा कैरोलिना रीपर मिर्च खाने का यह रिकॉर्ड आज भी ग्रेगरी के नाम है। इसे आज तक कोई तोड़ नहीं पाया है (Gregory Foster Carolina Reaper)। इससे पहले उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से 8।72 सेकंड में तीन कैरोलिना रीपर मिर्च खाने के सबसे तेज़ समय के रिकॉर्ड को तोड़ा था। गिनीज बुक के मुताबिक, कुछ लोगों को यह तीखा पसंद है, लेकिन ग्रेगरी अपने मसालेदार तेजी से खाने को चरम सीमा तक ले जाने के लिए जाने जाते हैं।

मसल्स मेमोरी और मैकेनिक्स का कमाल

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की वेबसाइट के मुताबिक ग्रेगरी फोस्टर ने कहा, इस तरीके की कोशिशों में मसल्स मेमोरी और मैकेनिक्स का कमाल होता है। उन्होंने कहा कि वे छोटी और मीठी मिर्चों को खाने का अभ्यास कर खुद को ट्रेंड करते हैं। ऐसा करने से चबाने और निगलने का रिस्पॉन्स ऑटोमैटिक बनता है। ग्रेगरी एक हॉट सॉस कंपनी के मालिक हैं और बागवानी का शौक भी रखते हैं।

वह अपने खेत में खुद मिर्च की खेती करते हैं। जब उनसे पूछा गया कि इतनी सारी तीखी मिर्च कोई क्यों खाएगा? इस पर ग्रेगरी ने कहा, मुझे लगता है कि इस दर्द में एक जुनून है।

60 हजार सैलरी, मुफ्त का घर! पर शर्त सुनकर भाग खड़े होते हैं लोग

हमारी दुनिया में दो किस्म के लोग रहते हैं। एक वो, जो खाने में शाकाहार लेते हैं और किसी भी तरह के नशे से दूरी बनाकर रखते हैं। वहीं दूसरे वे लोग होते हैं, जो खाने में कोई परहेज़ नहीं रखते और नशे में भी सिगरेट और शराब को आम बात समझते हैं। अब ये तो उनकी पर्सनल लाइफ की बात हुई लेकिन सोचिए अगर किसी को नौकरी देने से पहले उसकी आदतें पूछ ली जाएं, तो इंसान क्या जवाब देगा? हमारे देश में कम से कम इस तरह के ऑफिशियल क्लॉज़ वाली नौकरियां नहीं निकलती हैं लेकिन पड़ोसी चीन में एक नौकरी के विज्ञापन ने तहलका मचा रखा है। चाइनीज़ सोशल मीडिया पर लोग इस विज्ञापन को लेकर काफी हैरानी जता रहे हैं। सोचिए जिस देश में खाने वाले कुत्ता-बिल्ली, कॉकरोच-चमगादड़, बिच्छू- सांप कुछ नहीं छोड़ते हों, वहां नौकरी के लिए वेजिटेरियन कैंडिडेट की तलाश की जा रही है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन के दक्षिणी इलाके शेनज़ेन में एक कंपनी ने नौकरी के विज्ञापन में ऐसी-ऐसी चीज़ें मांग ली हैं कि सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं। 8 जुलाई को दिए विज्ञापन में ऑपरेशंस एंड मर्चैंडाइज़र्स के रोल के लिए नौकरी निकाली गई है, जिसमें महीने में 50000 युआन यानि करीब 60 हज़ार रुपये दिए जाएंगे। कर्मचारी को रहने के लिए भी मुफ्त में घर दिया जाएगा। ये तो हुईं सुविधाएं लेकिन कैंडिडेट को इसके साथ कुछ शर्तें भी पूरी करनी होंगी। कंपनी की शर्त है कि नौकरी के लिए सिर्फ वही लोग एप्लाई कर सकते हैं, जो दयालु और व्यवहार में अच्छे हों। जो धूम्रपान नहीं करते हों और शराब नहीं पीते हों। कैंडिडेट या वेजिटेरियन होना भी ज़रूरी है। कंपनी ह्यूमन रिसोर्स विभाग का कहना है कि अगर आप मांस खाते हैं, तो किसी जानवर को मारते हैं, जो क्रूरता है। इस कंपनी के कॉर्पोरेट कल्चर में ऐसा नहीं है। कंपनी के कैंटीन में भी मांसाहार नहीं परोसा जाता। जो यहां नौकरी करते हैं, उन्हें इसका पालन करना होता है। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस नियम पर जमकर खरी-खोटी सुनाई है।

बदमाशों का आखिरी अड्डा है एनडीए : शिवेसना

» ओपी राजभर के एनडीए में जाने पर सामना में किया कटाक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सुभासपा और बीजेपी के बीच गठबंधन होने पर शिवसेना ने मुखपत्र सामना के जरिए तीखी प्रतिक्रिया दी है। सामना में इस गठबंधन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा गया है, बदमाशों का आखिरी अड्डा। गौरतलब हो कि आगामी लोकसभा चुनाव से पहले छोटे-छोटे दलों को साधने की कोशिश में जुटी बीजेपी को रविवार को एक और सफलता मिली है, ओम प्रकाश राजभर की नेतृत्व वाली सुभासपा अब एनडीए में शामिल हो गई है।

यूपी में भी फैला दिया कीचड़

अपने मुखपत्र के जरिए बीजेपी पर निशाना साधते हुए शिवसेना ने कहा,बीजेपी जितनी मेहनत कर रही है उसका वर्णन करने के लिए शब्द अपर्याप्त हो जाएंगे। महाराष्ट्र के बाद बीजेपी ने यूपी में भी कीचड़ फैला दिया है। योगी आदित्यनाथ जैसे लोकप्रिय, भगवा वस्त्रधारी नेता के वहां मुख्यमंत्री रहते हुए बीजेपी को उस रामभूमि में भी कीचड़ फैलानी पड़ रही है, सुभासपा के ओम प्रकाश राजभर ने बीजेपी से निकाह कर लिया है।

अब अब्बास के पाप धुल गए

शिवसेना ने मुखपत्र में आगे कहा, बीजेपी ने अपनी वॉशिंग मशीन में उन्हें डाला और धोकर साफ कर दिया और अब उनके पाप धुल गए हैं। राजभर की पार्टी को एनडीए का घटक बनाने के बाद से इस पार्टी के कुख्यात विधायक अब्बास अंसारी को भी बीजेपी ने 'पवित्र' कर लिया है। अब्बास अंसारी मतलब अनेक हत्या, अपहरण, रंगदारी आदि कई मामलों में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व सांसद मुख्तार अंसारी के पुत्र हैं। मुखपत्र में लिखा, प्रयागराज से माफिया अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी को मिट्टी में मिलाने का प्रण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिया था। अतीक अहमद की हत्या कर दी गई, जबकि अंसारी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। उनके विधायक बेटे अब्बास अंसारी पर ईडी, सीबीआई और पुलिस की कार्रवाई शुरू है। लेकिन अब ओमप्रकाश बीजेपी के चरणों में लीन होने के बाद गए हैं तो देखना होगा कि अंसारी को वैसी और कितनी सहूलियतें मिलती हैं।

यूपी में बढ़ रहा तापमान, उमस से लोग परेशान

» उड़ीसा तट पर बने कम दबाव से मानसून कमजोर पड़ने लगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दो दिन पहले जमकर बरसे मानसून अब यूपी में कमजोर पड़ रहे है। उड़ीसा तट पर बना कम दबाव का क्षेत्र बनने से ऐसा हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश ज्यादा प्रभावित रहेगा। यहां पर इस बीच बारिश कम होगी। कहीं-कहीं छिटपुट बरसात हो सकती है। जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना बनी हुई है।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक मानसून टर्फ अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर सरकने के कारण पिछले 24 घंटे के दौरान उत्तर प्रदेश में मानसून की सक्रियता में प्रभावी तौर पर कमी दर्ज की गई। आगामी दिनों में भी मानसून टर्फ अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण में बने रहने के कारण विशेष रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश में मानसूनी गतिविधि कमजोर रहेगी। थंडरस्टॉर्म के साथ कहीं-कहीं छिटपुट बारिश तक सीमित हो जाने की सम्भावना है।

लखनऊ में चटकी धूप

यूपी की राजधानी लखनऊ में सोमवार को बरसात नहीं हुई। बादल और धूप आते-जाते रहे। दिन में कभी भी घने काले बादल नहीं आए। धूप होने से मौसम में उमस बनी रही। कई दिनों के बाद ऐसा हुआ जब पूरे दिन बरसात नहीं हुई।

मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को सुप्रीम राहत

» उप्र सरकार को नोटिस, गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जेल में बंद मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने उमर अंसारी को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण दिया है। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। बता दें कि उमर अंसारी, ओम प्रकाश राजभर की पार्टी एसबीएसपी से विधायक हैं।

इससे पहले उमर अंसारी को 13 अप्रैल को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसी के खिलाफ उमर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। मामले की एफआईआर अगस्त, 2020 को राजस्व अधिकारी सुरजन लाल ने लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी। इन एफआईआर को खारिज करने की मांग लिए वे हाईकोर्ट पहुंचे थे।

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता ओमन चांडी का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुअंनतपुरम। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ओमन चांडी का निधन हो गया है। उनके परिवार के साथ-साथ केरल कांग्रेस अध्यक्ष के. सुधाकरन ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। वह 79 वर्ष के थे। ओमन चांडी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। सुधाकरन ने ट्वीट किया कि उस राजा की कहानी जिसने प्रेम की शक्ति से दुनिया पर विजय प्राप्त की, उसका मार्मिक अंत हुआ। मैं एक दिग्गज ओमन चांडी के निधन से बहुत दुखी हूं। उन्होंने अनगिनत व्यक्तियों के जीवन को प्रभावित किया और उनकी विरासत हमेशा हमारी आत्माओं में गूंजती रहेगी।

वहीं, कांग्रेस केरल ने कहा कि चांडी काफी समय से ठीक नहीं चल रहे थे और इलाज के लिए बेंगलुरु में रह रहे थे। चांडी को सभी पीढ़ियों और सभी वर्गों द्वारा प्यार किया जाता है। कांग्रेस केरल ने ट्वीट किया कि हमारे सबसे प्रिय नेता और पूर्व सीएम ओमन चांडी को विदाई देते हुए बेहद दुख हो रहा है।

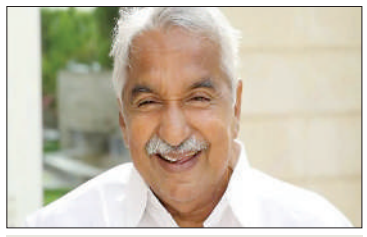

पीएम मोदी ने निधन पर जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्वीट कर ओमान चांडी के निधन पर दुख व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने लिखा कि ओमान चांडी जी के निधन से दुखी हूं। हमने एक विनम्र और समर्पित नेता खो दिया है, जिन्होंने अपना जीवन सार्वजनिक सेवा के लिए समर्पित कर दिया और केरल की प्रगति के लिए काम किया। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने किया निराश

» जर्मनी दौरे का पहला मैच चीन से 2-3 से हारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लिम्बर्ग। भारतीय महिला हॉकी टीम के जर्मनी दौरे की शुरुआत निराशाजनक रही जब टीम को चीन के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए नवनीत कौर ने 24वें और 45वें मिनट में गोल दागे जबकि चीन के लिए चेन जियाली (नौवें मिनट), झोंग जियाकी (45वें मिनट) और शू येनान (51वें मिनट) ने गोल किए।

दोनों टीम ने पहले क्वार्टर में सतर्क शुरुआत की। भारत को तीसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन चीन की रक्षा पंक्ति ने इसे नाकाम कर दिया। इसके कुछ मिनट बाद भारत ने फाउल करके विरोधी टीम को पेनल्टी स्ट्रोक का मौका दिया। चीन ने इसका फायदा उठाकर जियाली के गोल की बदौलत नौवें मिनट में बढ़त हासिल कर ली।

दो पेनल्टी कॉर्नर छोड़े

अगले कुछ मिनट में दोनों टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन कोई भी टीम इनका फायदा नहीं उठा सकी। भारत ने दूसरे क्वार्टर में सकारात्मक शुरुआत की। टीम को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन टीम इनको भुनाने में विफल रही। नवनीत ने 24वें मिनट में मैदानी गोल दागकर भारत को बराबरी दिलाई। नवनीत ने 45वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। चीन ने हालांकि तुरंत बाद झोंग के पेनल्टी कॉर्नर पर दागे गोल से बराबरी हासिल कर ली। येनान ने 51वें मिनट में एक और गोल दागकर चीन को 3-2 से आगे किया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। भारत मंगलवार और गुरुवार को अब जर्मनी से दो मैच खेलेगा।

मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने की तैयारी

» संविधान और लोकतंत्र को बचाने की कोशिश : खरगे

» कांग्रेस बोली-प्रधानमंत्री पद की रेस में नहीं

» भाजपा की गलत नीतियों के खिलाफ होगा हल्लाबोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए एकजुट हो रहे विपक्षी खेमे से बड़ी खबर सामने आई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बेंगलुरु में हो रही बैठक में प्रधानमंत्री पद को लेकर बयान दिया और कांग्रेस को इसकी रेस से दूर बताया। जब विपक्षी एकता की कवायद शुरू हो रही थी तभी से ये सवाल पूछा जा रहा था कि आखिर नरेंद्र मोदी के मुकाबले कौन खड़ा होगा, अब पीएम पद की रेस पर कांग्रेस अपना रुख साफ करती नजर आ रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री पद को लेकर अहम बयान दिया। मल्लिकार्जुन खरगे बोले कि मैं एमके स्टालिन के जन्मदिन पर पहले ही चेन्नई में बता चुका हूं कि कांग्रेस सत्ता या प्रधानमंत्री पद में इच्छुक नहीं है। इस बैठक का मकसद सिर्फ सत्ता

बेंगलुरू में विपक्ष ने दिखाई ताकत

हासिल करना नहीं है, ये संविधान को बचाने, लोकतंत्र और सोशल जस्टिस को बचाने के लिए कोशिश की जा रही है। विपक्षी पार्टियों की बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे ने इस संगठन के एजेंडे पर बात की। खरगे ने कहा कि हम जानते हैं कि राज्य के लेवल पर हमारे बीच कई तरह के मतभेद हैं, लेकिन ये विचारधारा की लड़ाई नहीं है। ये मतभेद इतने भी बड़े नहीं हैं जिन्हें दूर ना किया जा सके। बेरोजगार, महंगाई, युवाओं पर हो रहे अत्याचार के लिए इन मतभेदों को दूर किया जा सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम 26 पार्टियां यहां हैं, 11 राज्यों में हमारी सरकार है। बीजेपी ने 303 सीटें खुद हासिल नहीं की, बल्कि उसने भी अपने साथी दलों का वोटशेयर हासिल किया और सत्ता में आ गई। आज भाजपा अलग-अलग राज्यों में अपने साथियों को साथ लाने में जुटी है। बेंगलुरु की इस साझा बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। खरगे बोले कि आज हर संस्था को निशाने पर लिया जा रहा है। सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स समेत अन्य एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। नेताओं पर गलत केस बनाकर उन्हें पकड़ा जा रहा है। इतना ही नहीं हमारे सांसद को सस्पेंड करवाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं का भी सहारा लिया जा रहा है।

हमें आइडिया ऑफ इंडिया को बचाना : महबूबा

विपक्ष की इस बैठक से अन्य विपक्षी नेताओं ने भी मोदी सरकार पर हमला बोला। पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने कहा कि देश के संविधान, लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ हो रहा है। देश की ताकत विविधता है, लेकिन आज उसे ही बर्बाद किया जा रहा है। हमें आइडिया ऑफ इंडिया को बचाना है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह बैठक पटना में हुई एक शुरुआत का अगला पड़ाव है, हमें एकजुट रहने की जरूरत है। जिस तरह से संविधान को तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है, उस लिहाज से यह एकता काफी जरूरी है।

मुद्दों से भटका कर सिर्फ नफरत की बातें की जा रहीं : तेजस्वी

राजद नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हम देश के लोकतंत्र, संविधान और भाईचारे को बचाने के लिए एक हुए हैं। देश की संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है और देश की संपत्तियों को बेचा जा रहा है। तेजस्वी ने कहा कि किसान, युवा, महंगाई जैसे असल मुद्दों पर बात न कर, सिर्फ नफरत की बातें की जा रही हैं।

राहुल की सजा पर सुप्रीम सुनवाई 21 जुलाई को

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका पर 21 जुलाई को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया है। इस याचिका में राहुल ने गुजरात उच्च न्यायालय के सात जुलाई के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें मोदी सरनेम टिप्पणी पर मानहानि मामले में उनकी सजा पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी द्वारा अपील को 21 जुलाई या 24 जुलाई को सूचीबद्ध करने की मांग के बाद याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हुई। पीठ ने कहा कि वह इस पर 21 जुलाई को सुनवाई करेगी। वहीं 15 जुलाई को दायर अपनी अपील में राहुल ने कहा है कि अगर फैसले पर रोक नहीं लगाई गई तो इससे बोलने, अभिव्यक्ति , विचार और बयान की आजादी का गला घोंट दिया जाएगा।

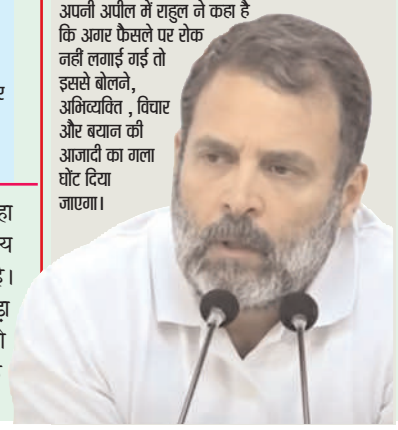

फोटो:4 पीएम

मिली नियुक्ति

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 1,573 एएनएम स्वास्थ्य कार्यकर्त्रियों को नियुक्ति पत्र किये वितरित।

पुंछ में सुरक्षाबलों ने किए चार आतंकी ढेर

» संयुक्त अभियान के लिए किया गया ड्रोन का इस्तेमाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। पुंछ के सिंधरा इलाके में सुरक्षा बलों ने संयुक्त ऑपरेशन में चार आतंकियों को मार गिराया है। सुरक्षा बलों के बीच पहली मुठभेड़ कल रात करीब 11:30 बजे हुई, जिसके बाद निगरानी उपकरणों के साथ ड्रोन तैनात किए गए। भारतीय सेना के अधिकारी के अनुसार, आज सुबह सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी के साथ मुठभेड़ फिर से शुरू हो गई।

भारतीय सेना के विशेष बल, राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान अन्य बलों के साथ ऑपरेशन का हिस्सा थे। ऑपरेशन में मारे गए आतंकवादी संभवत: विदेशी आतंकवादी हैं और उनकी पहचान का पता लगाया जा रहा है। इसके अलावा, जम्मू एवं कश्मीर के पुंछ के सुरनकोट में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है।

बड़ी घटनाओं को अंजाम देने की थी साजिश

सूत्रों के अनुसार नियंत्रण रेखा के उस पार से आईएसआई और आतंकी संगठनों के सरगनाओं की ओर से स्वतंत्रता दिवस और रक्षाबंधन के आसपास बड़ी आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए आतंकियों को घुसपैठ कर इस पार पहुंचने के निर्देश दिए हैं। चक्कां दा बाग में 25 जून को भी सुरक्षाबलों ने आतंकी घुसपैठ के प्रयास को नाकाम बनाते हुए तीन आतंकियों को मार गिराया था। इनके शव शून्य रेखा पर गिर गए थे, जिन्हें बरामद नहीं किया जा सका था। उस मुठभेड़ में सेना का एक जवान भी घायल हुआ था। सोमवार को चक्कां दा बाग में ढेर किए गए आतंकी का शव देर शाम को पोस्टमार्टम के लिए पुंछ के राजा सुखदेव सिंह जिला अस्पताल लाया गया।

महिला पहलवानों ने लगाया जांच समिति पर पक्षपात करने का आरोप

» कुश्ती संघ के सहायक सचिव होंगे पेश, सुनवाई आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। महिला पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने वाली जांच समिति की मंशा पर सवाल उठाए हैं। महिला पहलवानों ने मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा दायर आरोप पत्र के आधार पर आरोप लगाया है कि जांच समिति बृजभूषण के खिलाफ पक्षपाती थी।

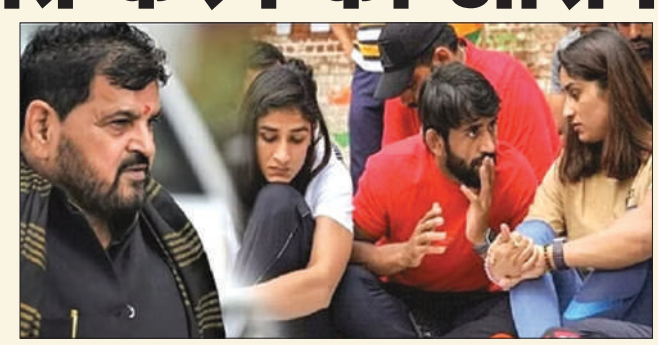

बृजभूषण को उनके और डब्ल्यूएफआई के सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ जारी समन के अनुपालन में मंगलवार को सुनवाई अदालत में पेश होना है। डब्ल्यूएफआई प्रमुख पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए केंद्र सरकार ने दिग्गज मुक्केबाज एम सी मैरी कॉम के नेतृत्व में छह सदस्यीय समिति का गठन किया था।

रिपोर्ट अब तक नहीं हुई सार्वजनिक, बयान के साथ छेड़छाड़ की कही बात

इस समिति ने सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, लेकिन उसे सार्वजनिक नहीं किया गया है। शिकायतकर्ताओं ने अलग-अलग बयान में आरोप लगाया कि जांच समिति बृजभूषण के प्रति पक्षपातपूर्ण नजर आती है, जो भाजपा के एक सांसद भी हैं। बृजभूषण के खिलाफ दायर 1,599 पन्नों के आरोप पत्र में 44 गवाहों के बयान के अलावा शिकायतकर्ताओं के छह बयान शामिल हैं, जो सीआरपीसी की धारा-164 के तहत दर्ज किए गए थे। शिकायतकर्ता ने कहा, जांच समिति के समक्ष अपना बयान देने के बाद मैं जब भी फेडरेशन कार्यालय गई, आरोपी ने मुझे घृणित और कामुक नजरों से देखा और गलत इशारे किए, जिससे मुझे असुरक्षित महसूस हुआ। उसने आरोप लगाया, यहां तक कि जब मैं अपना बयान दे रही थी, तब भी वीडियो रिकॉर्डिंग बंद और शुरू की जा रही थी। मेरे अनुरोध के बावजूद समिति ने मुझे मेरे बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग की प्रति नहीं दी। मुझे आशंका है कि मेरा पूरा बयान दर्ज नहीं किया गया होगा और इससे छेड़छाड़ भी की गई होगी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।